(ख) इस्पात विभाग में 2 और खान विभाग में 1 कर्मचारी परिवीक्षाधीन है और परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर उन्हें स्थायी कर दिया जाएगा। अन्य कर्मचारियों को स्थायी रूप से नियुक्ति स्थायी रिक्तयों की उपलब्धि और कर्मचारियों की उपयुक्तता पर निर्भर है ।

बाक्साइट वाले क्षेत्रों को अल्यूमिनियम बनाने के लिए आरक्षित करना

4247. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री [illegible] :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उच्च श्रेणी के बाक्साइट वाले कुछ क्षत्र अल्यूमिनियम बनाने के लिए आरक्षित किये गये हैं और क्या इन निक्षपों को केवल रासायनिक उद्योगों हेतु काम में लाया जाएगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : एल्यूमिनियम उद्योग के लिए उच्च श्रेणी का बाक्साइट निक्षपों को आरक्षित किया गया है । एसे मामलों में जहां कुछ क्षेत्रों की एल्यूमिनियम सयंत्रों के लिए आवश्यक नही समझा जाता है उन क्षेत्रों को बाद में अन्य प्रयोजनों के लिए मुक्त किया जा सकता है ।

युद्धों में शहीद हुए गढ़वाली सैनिकों के आश्रितों को सहायता

4248. श्री परिपूर्णानन्द पैन्यूली : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत-चीन और भारत-पाक युद्धों के दौरान शहीद व घायल हुए गढ़वाली सैनिकों के आश्रित गढ़वाल के सुदूर पहाड़ी क्षत्रों में रह रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो क्या शहीद व घायल हुए सैनिकों के आश्रितों को दी जाने वाली सुविधाओं से ये परिवार वंचित हैं ?

रक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री जे० बी० पटनायक) : (क) और (ख): यह हो सकता है कि हिन्द-चीन तथा भारत-पाक युद्धों में मृत तथा घायल गढ़वाली सैनिकों के कुछ आश्रित गढ़वाल के सुदूर पहाड़ी क्षत्रों में रह रहे हों । तथापि वर्तमान नियमानुसार मृत और घायल सैनिकों के आश्रितों को ग्राहिय सुविधाएं गढ़वाल से आने वाले सैनिकों के आश्रितों को भी संबंधित जिला सैनिक, नाविक और वैमानिक बोर्ड के द्वारा उपलब्ध हैं ।

युद्ध के दौरान शहीद हुए गढ़वाली सैनिक

4249. श्री परिपूर्णानन्द पैन्यूली : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय सशस्त्र सेनाओं के विभिन्न अंगों व सीमा सुरक्षा पुलिस में भर्ती गढ़वाली सैनिको में से कितने व्यक्ति पाकिस्तानी आक्रमण के समय शहीद हुए और कितने घायल हुए; और

(ख) शहीद हुए और घायल हुए गढ़वाली सैनिको के कितने आश्रितों को कितनी-कितनी और किस किस रूप मे सहायता दी गई

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) और (ख) सामग्री अभी उपलब्ध नहीं है । इसे एकत्र किया जा रहा है और सभा पटल पर रख दिया जायेगा ।